जिला और

ब्यावर मेरवाड़ा को 'स्मार्ट-सिटी' बनाया जावे

आलेख : वासुदेव मंगल

दिनाँक 25 फरवरी 2015 को राजस्थान राज्य का बजट सत्र आरम्भ होने जा रहा है।

इस बजट सत्र में राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी की यशस्वी माननीय वसुन्धराजी की सरकार से ब्यावर क्षेत्र अर्थात् मेरवाड़ा स्टेट रहे की जनता चाहती है और माँग करती है कि पिछले चवदा बजट सत्रों में उपेक्षित किये गए ब्यावर को वर्तमान में स्मार्ट-सिटी और चहुमुखी विकास हेतु तुरन्त प्रभाव से जिला घोषित किया जावे।

माननीय आपको याद दिलादे कि सन् 2003 में आपने ब्यावर आगमन पर ब्यावर की जनता को भरोसा दिलाया था कि यदि राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तो ब्यावर को जिला घोषित किया जावेगा।

माननीय आपकी सरकार का पाँच साल का वो समय सन् 2008 में समाप्त हुआ।

अब पुन: आपकी सरकार सन् 2013 से सत्ता में है। एक साल बीत चुका है।

आपसे ब्यावर क्षेत्र की जनता की माँग है कि इस बजट में आप ब्यावर को जिला जरूर घोषित करेंगी। ऐसी ब्यावर की जनता को आपसे अपेक्षा है।

जनसंख्या राजनैतिक भौगोलिक आर्थिक व्यापारिक और औद्योगिक सभी प्रकार से ब्यावर जिला बनाये जाने की काबलियत रखता है।

ब्यावर मेरवाड़ा स्टेट अपनी स्थापना सन् 1836 ई० से 120 साल 1955 तक मेरवाड़ा स्टेट रहा।

सन् 1956 ई० की 1 नवम्बर को ही इसको राजस्थान प्रदेश में मिलाये जाने के वक्त ही इसे जिला घोषित किया जाना चाहिये।

माननीय मुख्य मन्त्रीजी - सन् 1957 के आम चुनाव

जिला और
ब्यावर मेरवाड़ा को 'स्मार्ट-सिटी' बनाया जावे
आलेख : वासुदेव मंगल

दिनांक 25 फरवरी 2015 को राजस्थान राज्य का बजट सत्र आरम्भ होने जा रहा है।

इस बजट सत्र में राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी की यशस्वी माननीय वसुन्धराजी की सरकार से ब्यावर क्षेत्र अर्थात् मेरवाड़ा स्टेट रहे की जनता चाहती है और माँग करती है कि पिछले चवदा बजट सत्रों में उपेक्षित किये गए ब्यावर को वर्तमान में स्मार्ट-सिटी और चहुँमुखी विकास हेतु तुरन्त प्रभाव से जिला घोषित किया जावे।

माननीय आपको याद दिलादे कि सन् 2003 में आपने ब्यावर आगमन पर ब्यावर की जनता को भरोसा दिलाया था कि यदि राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनीं तो ब्यावर को जिला घोषित किया जावेगा।

माननीय आपकी सरकार का पाँच साल का वो समय सन् 2008 में समाप्त हुआ।

अब पुनः आपकी सरकार सन् 2013 से सत्ता में है। एक साल बीत चुका है।

आपसे ब्यावर क्षेत्र की जनता की माँग है कि इस बजट में आप ब्यावर को जिला जरूर घोषित करेंगीं। ऐसी ब्यावर की जनता को आपसे अपेक्षा है। जनसंख्या राजनैतिक भौगोलिक आर्थिक व्यापारिक और औद्योगिक सभी प्रकार से ब्यावर जिला बनाये जाने की काबलियत रखता है।

ब्यावर मेरवाड़ा स्टेट अपनी स्थापना सन् 1836 ई० से 120 साल 1955 तक मेरवाड़ा स्टेट रहा।

सन् 1956 ई० की 1 नवम्बर को ही इसको राजस्थान प्रदेश में मिलाये जाने के वक्त ही इसे जिला घोषित किया जाना चाहिये।

माननीय मुख्य मन्त्रीजी_ सन् 1957 के आम चुनाव

के पश्चात् यह राज्य में पन्द्रहवीं सरकार कार्यरत है। किसी भी सरकार ने आजतक ब्यावर की जनता की पीड़ा को नहीं समझा।

यहाँ के विकसित ऊन, रुई, सर्राफा और अनाज के बहु व्यापार को अन्य शहरों में स्थानान्तरित किया।

यहाँ की तीन कपड़ा मिलों को और 10-12 कॉटन जिनिंग एँव प्रेसिंग फैक्ट्रिज् को बन्द कर दिया गया।

यहाँ तक कि इस शहर के विश्व विख्यात व्यापार और उद्योग को चराशाही कर यहाँ पर लगभग दस हजार व्यापार और उद्योगों में लगे व्यापारियों और कामगारों को बेरोजगार कर दिया गया।

इसका सीधा प्रभाव यहाँ के बाजार के आर्थिक चक्र पर पड़ा। यहाँ का मुद्रा बाजार प्रायः समाप्त कर दिया गया।

लोकतन्त्र में जनता राजा होती है और प्रजा की भलाई के लिये सरकार के रहनुमा सेवक का काम करते है।

श्रीमान, विदेशी सरकार ने अतीत में अपने शासन के समय इस पूरे भारतवर्ष में ब्यावर मेरवाड़ा को एक विकसित बहु व्यापार और बहु उद्योगों के क्षेत्र में विकसित शहर का दर्जा प्रदान किया जिससे यह शहर सभी प्रकार के करों को चुकाने में देश में एकमात्र अव्वल नम्बर का अग्रहणी शहर और क्षेत्र रहा है स्वतन्त्रता प्राप्ति के पूर्व तक।

कलकत्ता का नामकरण सन् 1791 ई० में अस्तित्व में आया। बम्बई में म्युनिसिपल तीसरे नम्बर पर स्थापित हुई। जबकि ब्यावर में देश में सबसे पहिले एक नम्बर पर ब्यावर म्युनिसिपल 1 मई सन् 1867 ई० में स्थापित हुई। दूसरे नम्बर पर अजमेर में। कारण ब्रिटिश कमीश्नरी शासन राजपूताना में मात्र अजमेर राज्य और ब्यावर मेरवाड़ा राज्य में ही था। बाकी देशी राजे रजवाड़ों में देशी शासन था।

खैर, दुर्भाग्यवश अतीत में जो कुछ बर्बादी इस क्षेत्र की हुई उसे भुलाने में ही भलाई है।

श्रीमान् यह क्षेत्र उत्तर में नरवर से दक्षिण में दिवेर तक और पूर्व में बघेरा से लेकर पश्चिम में बनाड़िया तक लगभग पाँच हजार वर्ग किलो-मीटर का क्षेत्र है। यहाँ पर भगवान की कृपा से जमीन, जंगल पहाड़ी खनिज बाहुल्य मेरवाड़ा प्रदेश रहा है। आवश्यकता है सरकार द्वारा और प्रशासन द्वारा इस क्षेत्र का वैज्ञानिक तरीके से समुचित विकास किया जाना है।

इसके लिये आपको यानि सरकार को केन्द्र और राज्य व स्वायत्त शासन ग्राम पंचायतों पंचायत समिति, जिला स्तर पर समन्वय स्थापित कर समग्र विकास किये जाने की आवश्यकता है।

अतएव इसीलिये सबसे पहले ब्यावर को जिला घोषित किये जाने की महत्ती आवश्यकता है। स्मार्ट सिटी के तहत तत्पश्चात् ब्यावर नगर निगम ब्यावर नगर सुधार न्यास ब्यावर विकास प्राधिकरण के साथ साथ इंजिनियरिंग कालेज, मेडीकल कालेज के साथ साथ विश्व विद्यालय, खेल स्टेडियम हवाई अड्डा (एयर पोर्ट) स्थापित किये जाने चाहिये।

साथ ही यह क्षेत्र एक विभिन्न चारों ओर के पर्यटन स्थलों को आस पास के व इस क्षेत्र को जोड़ने वाला केन्द्रिय शहर बन सकता है।

इसी क्षेत्र में नेशनल अरावली पार्क (अभ्यारण्य) जो कामलीघाट, कोरमघाट की प्राकृतिक छटा बिखेरे छुक-छुक रेल गाड़ी का लुत्फ लिया जा सकता है, पास ही रणकपुर, जवाई बाँध कुम्भलगढ़ टाटगढ़ के किले, दुधलेश्वर महादेव का वन्य क्षेत्र नैसर्गिक छटा

नयनाभिराम चौकड़ी भरते हुए हिरण शेर चीते बरबस सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

पास ही ~~मीरा~~ भक्त शिरोमणी मीराबाई का मेड़ता जोधपुर, माउण्ट आबू चित्तौड़गढ़ नाथद्वारा, उदयपुर राजसमन्द झील, अजमेर, पुष्कर, जयपुर सभी पर्यटन स्थलों का केन्द्रिय स्थल ब्यावर है।

अत: इसको विकासित करने पर सरकार को राजस्व में असाधारण ईजाफा होगा जिसको सरकार ने अभी तक सोचा भी नहीं होगा।

अतएव इस पत्र के जरिये इस क्षेत्र की प्रजा की भावना को खुले समझते हुए आप और केन्द्र सरकार दोनों ही इस क्षेत्र का समुचित विकास ~~करने~~ तुरन्त प्रभाव से करें और करावें।

ऐसी इस क्षेत्र की जनता को आपसे इस बजट में ब्यावर जिला घोषित कर और ब्यावर को स्मार्ट सिटी बनाये जाने की केन्द्र सरकार द्वारा घोषणा करने की आशा ही नहीं वरन् पूरा विश्वास है।

आपका अपना ही

ब्यावर
दिनांक 23-2-2015

वासुदेव मंगल
वरिष्ठ नागरिक, ब्यावर इतिहास शोधकर्ता
मकान संख्या 1/220, पुराना
नया नम्बर 19, 19ए, 19एए
पुरानी सिनेमा गली,
गोपालजी मोहल्ला
ब्यावर 305901
फोन 01462 - 252597